



༄༅ ། རྒྱྲ ། ལྷ ། དྲ ། གྲ ། ཁྲ ། གྷྲ ། ངྲ ། ཆྲ ། ཇྲ ། ཉྲ ། ཊྲ །

# ༄༅ ། རྒྱྲ ། ཁྲ ། ཁྲ །





བྱନ୍ଧୁଲେ རୂପ୍ୟ གୁରୁ དବ୍ରୀ གୁରୁ དବ୍ରୀ

ବ୍ରାହ୍ମି

**图书在版编目(CIP)数据**

论文/东噶·洛桑赤列著：－北京：民族出版社，

2004.1

(东噶·洛桑赤列文集)

ISBN 7-105-06002-6

I. 论... II. 东... III. 社会科学 - 文集 - 藏语

IV. C53

中国版本图书馆 CIP数据核字(2004)第 003120 号

**民族出版社出版发行**

(北京市和平里北街 14 号 邮编:100013)

**民族出版社微机照排 艺辉印刷厂印刷**

**各地新华书店经销**

**2004 年 3 月第 1 版 2004 年 3 月北京第 1 次印刷**

**开本:850mm × 1168mm 1/32 印张:12.625**

**印数:0001-3000 册 定价:20.00 元**

---

**该书如有印装质量问题,请于本社发行部联系退换  
藏文室电话:64234411-6509;发行部电话:64227665**



श्रीनगर शे. नन्द रहुवा परा कर्ण कु अकेन्द्रा । शपास श्रवा उद्धृति रंडा  
को । गठबा गणना नक्षुभाग गुण सद्वेश केसा हो । दक्ष श्रुति नक्षुभा  
पञ्चनगरा । मुद्रा विवरन अद्वितीय उन्नति दक्षिण अक्षुभा । उमा अकेन्द्रा  
पर्वती उक्षी विश्वामी नवांगन एक्षिणी पर्वता राजा कृष्णद नु । श्रुति य विवरन  
विवरन द्वा । शिवास ठक घंटा श्री रवि विवरन विवरन गनुभाग  
गणवार्द्धव बुध विवरन श्रुति य विवरन दक्ष विवरन शिवास ठक घंटा  
तु व शपास कुवा शुभा श्रीन एक्षी नगरा बी रवुभाग गणा कृष्णवास श्रीन ने  
विवरन दक्षिण गणवार्द्धव गुण यंद अद्वितीय अक्षिणी विवरन श्रीन ने  
श्रुति विवरन विवरन श्री श्रुति शपास दक्ष विवरन यंद अद्वितीय अक्षिणी  
विवरन दक्ष रवि विवरन श्रुति विवरन विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने  
विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन श्रुति विवरन शिव विवरन श्रीन ने

दक्ष अकेन्द्रा पर्वता उद्धृति विवरन श्रीन ने य एक विवरन  
विवरन विवरन विवरन ।

दियन अकेन्द्रा पर्वता उद्धृति विवरन श्रीन ने य एक विवरन  
श्रीन विवरन विवरन विवरन श्रीन ने य एक विवरन विवरन विवरन  
विवरन विवरन विवरन विवरन विवरन विवरन विवरन विवरन











ଦ୍ୟା'ପା'ନ୍ତି'ନ୍ତି'ଶ୍ରୀ'ବିଷ'ନ୍ତକୁଣ୍ଠା'ଶି'କେ'ନ୍ତ'କେ'ଶ'କ୍ରବନ୍ତା'ପନ୍ଥ'《ନ୍ତି'ଶ୍ରୀ'କ୍ଷଣ'ଶିନ୍ଦ'  
ନ୍ତକୁଣ୍ଠା'ପନ୍ଥି'ଶିନ୍ଦ'ନ୍ତମନ୍ତପ'》ବିନା'ପରି'କ୍ରବ'ନ୍ତମନ୍ତନ୍ତଶା' ନ୍ତି'ଶ୍ରୀ'ଶ'କ୍ରବନ୍ତା'ପନ୍ଥ'ବିଷ'  
ନ୍ତକୁଣ୍ଠା'ପନ୍ଥି'ଶିନ୍ଦ'ନ୍ତମନ୍ତପ'ବିନା'ନ୍ତକୁଣ୍ଠା'ଶି'ଶି'ଶ'କ୍ରେ'ଯନ୍ତ'ପନ୍ଥ'  
ନ୍ତଶ୍ରୀ'କ୍ଷଣ'ଶିନ୍ଦ'ନ୍ତକୁଣ୍ଠା'ପନ୍ଥି'ଶ'କ୍ରବନ୍ତା'ପନ୍ଥ'ପକନ୍ତ'ପନ୍ଥି'ପରି'ନ୍ତମନ୍ତପ'  
ପ'ନ୍ତମନ୍ତଶା' ନ୍ତମନ୍ତଶା'ନ୍ତଶ୍ରୀ'ଶ'କ୍ରେ'ନ୍ତକୁଣ୍ଠା'ଶ'କ୍ରବନ୍ତା'ପନ୍ଥ'ଚନ୍ଦ'  
ପନ୍ଥି'ଶି'ଶ'କ୍ରବନ୍ତା'ପନ୍ଥି'ଶ'କ୍ରେ'ନ୍ତପ'ନ୍ଥ'ଶି'ଶ'କ୍ରବନ୍ତା'ପନ୍ଥ'ନ୍ତମନ୍ତପ'  
ଶ'କ୍ରବନ୍ତା'ପନ୍ଥ'ନ୍ତମନ୍ତପ'ନ୍ଥ'ଶ'କ୍ରେ'ନ୍ତପ'ନ୍ଥ'ଶି'ଶ'କ୍ରବନ୍ତା'ପନ୍ଥ'  
ଶ'କ୍ରବନ୍ତା'ପନ୍ଥ'ନ୍ତମନ୍ତପ'ନ୍ଥ'ଶ'କ୍ରେ'ନ୍ତପ'ନ୍ଥ'ଶି'ଶ'କ୍ରବନ୍ତା'ପନ୍ଥ'

ଶ୍ରୀଶିଶ୍ଵାସୀମ୍ବାଦୁର୍ବଳାକ୍ଷମାନଙ୍କୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେଲାଯାଇଥାଏ ଏହାର ପରିବର୍ତ୍ତନକାରୀ ଶିଶ୍ଵାସୀମ୍ବାଦୁର୍ବଳାକ୍ଷମାନଙ୍କୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେଲାଯାଇଥାଏ ଏହାର ପରିବର୍ତ୍ତନକାରୀ



ମନ୍ଦରୀଶାପଦି·ବିଷ·ରତ୍ନଶ·ନନ୍ଦ·ନନ୍ଦ·କୁଲ୍ପଣୀୟୀ·ଶ୍ରୀ·କେଶଶ·କବ·ରୀଶ·ଶି·ବିଷ·  
ରତ୍ନଶ·ଶନ୍ଦ·ଯା·ନ୍ଦ·କବ·ବାର୍ଷି·ଶାପଦି·ପଦି·《ମନ୍ଦରୀଶାପଦି·ନନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ଯା·ନନ୍ଦ·ଶି·ଅନ୍ତଃ  
କୁଲ୍ପଣୀୟୀ·ଶ୍ରୀ·କେଶଶ·ଶନ୍ଦ·ରତ୍ନଶ·ବିଷ·ଅନ୍ତଃ·ନନ୍ଦ·ପଦି》《ଶ୍ରୀ  
ରତ୍ନଶ·ଯା·ରତ୍ନଶ·କୁଲ୍ପଣୀୟୀ·ଶ୍ରୀ·କବ·ରୀଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·ନନ୍ଦ·ପଦି》《ମନ୍ଦରୀଶାପଦି·ନନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ଯା·ନନ୍ଦ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·  
କୁଲ୍ପଣୀୟୀ·ଶ୍ରୀ·ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ପଦି·ଅନ୍ତଃ》《ମନ୍ଦରୀଶାପଦି·ନନ୍ଦ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·  
କୁଲ୍ପଣୀୟୀ·ଶ୍ରୀ·ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ପଦି·ଅନ୍ତଃ》《ମନ୍ଦରୀଶାପଦି·ନନ୍ଦ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·  
କୁଲ୍ପଣୀୟୀ·ଶ୍ରୀ·ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ପଦି·ଅନ୍ତଃ》《ମନ୍ଦରୀଶାପଦି·ନନ୍ଦ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·  
କୁଲ୍ପଣୀୟୀ·ଶ୍ରୀ·ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ପଦି·ଅନ୍ତଃ》《ମନ୍ଦରୀଶାପଦି·ନନ୍ଦ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·  
କୁଲ୍ପଣୀୟୀ·ଶ୍ରୀ·ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ପଦି·ଅନ୍ତଃ》《ମନ୍ଦରୀଶାପଦି·ନନ୍ଦ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·  
କୁଲ୍ପଣୀୟୀ·ଶ୍ରୀ·ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ପଦି·ଅନ୍ତଃ》《ମନ୍ଦରୀଶାପଦି·ନନ୍ଦ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·  
କୁଲ୍ପଣୀୟୀ·ଶ୍ରୀ·ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ପଦି·ଅନ୍ତଃ》《ମନ୍ଦରୀଶାପଦି·ନନ୍ଦ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·  
କୁଲ୍ପଣୀୟୀ·ଶ୍ରୀ·ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ପଦି·ଅନ୍ତଃ》《ମନ୍ଦରୀଶାପଦି·ନନ୍ଦ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·  
କୁଲ୍ପଣୀୟୀ·ଶ୍ରୀ·ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ପଦି·ଅନ୍ତଃ》

ଏହାମାପାଇ ଶିନ୍ଦ·ଶ୍ରୀ·ରତ୍ନଶ·ପଦି·ରତ୍ନଶ·ଟାଇ କୁଲ୍ପଣୀୟୀ·କେଶ·  
ଶକେଶ·ନନ୍ଦ·ଶ୍ରୀ·କେଶ·ଯନ୍ତ୍ରି·ଅନ୍ତଃ·ପଦି·ରତ୍ନଶ·ଶ୍ରୀ·କେଶ·କେନ୍ଦ୍ରି·ଅନ୍ତଃ·  
ପଦି·ରତ୍ନଶ·ପଦି

ନବାପାଦି·ଶିନ୍ଦ·ଶ୍ରୀ·ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ପଦି·ରତ୍ନଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·ପଦି·ରତ୍ନଶ·ଶି·  
ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ରତ୍ନଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·ପଦି·ରତ୍ନଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·ପଦି·ରତ୍ନଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·  
ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ରତ୍ନଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·ପଦି·ରତ୍ନଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·ପଦି·ରତ୍ନଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·  
ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ରତ୍ନଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·ପଦି·ରତ୍ନଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·ପଦି·ରତ୍ନଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·  
ଶନ୍ଦ·ଶନ୍ଦ·ରତ୍ନଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·ପଦି·ରତ୍ନଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·ପଦି·ରତ୍ନଶ·ଶି·ଅନ୍ତଃ·

ଦେଶକଣ୍ଠା-କୁର୍ଯ୍ୟ-ଶତେଷ-କେନ-ଶତେଷ-ଶ୍ରୀ-ପ୍ରେ-ବହୁଦ୍-ଧ୍ୟ-ପହିର-କଣ-ଚନ୍ଦ-ଚନ୍ଦ-  
ଶ୍ରୀ-ଦେଶକୁର୍ଯ୍ୟ-ପାତ୍ରବ-ଶବ୍ଦା-ଦେଶିଯ-ଦେଶିଶ-ଦନ୍ତ-ଶ୍ରୀ-ଶ୍ରୀ-ଶତେଷ-ପକ୍ଷୁବ-ବହୁଦ୍-  
ଶୁଣ-ପାତ୍ରବ-ବିଶ-ପିତ୍ର-ପା କୁର୍ଯ୍ୟ-କେନ-ତତ୍ତ୍ଵ-ବିଶ-ଦନ୍ତ-। ଯନ୍ତ୍ରବ-ତତ୍ତ୍ଵ-ତତ୍ତ୍ଵା ଶୁଣ-  
ପକ୍ଷୁଦ୍-ଦୁଃଖଶ-ଶହୁଦ୍-ଦନ୍ତ-କ୍ଷେତ୍ର-ପାତ୍ରବ-ଶ୍ରୀ-କେନ-ପଶ-ପାତ୍ରବ-ତତ୍ତ୍ଵ-ଦନ୍ତ-।  
କ୍ଷେତ୍ର-ଶର୍ମ-ପ-ଦନ୍ତ-ବିଶ-ଦୁଃଖ-ପା-କେନ-ତତ୍ତ୍ଵ-ବିଶ-ପିତ୍ରା ଶିଦ-ବି-ଦେଶା-କରି-ଦୁଃଖ-  
ଅପଶ-ଶୁଣ-ପଶ-ଶହୁଦ୍-କ୍ଷେତ୍ର-ଶ୍ରୀ-ଶବ୍ଦ-କେନ-କୁର୍ଯ୍ୟ-ଦନ୍ତ-ପି-ଦେଶା-ଶ୍ରୀ-ଶୁଣ-ପଶ-ଶୁଣ-ପଶ-ଦନ୍ତ-  
କେନ-କୁର୍ଯ୍ୟ-ଶତେଷ-ଶୁଣ-ଦନ୍ତ-ପି-ଦେଶା-ପକ୍ଷୁବ-ଶୁଣ-ପଶ-ଶୁଣ-କ୍ଷେତ୍ର-ଶବ୍ଦ-ପାତ୍ରବ-ବିଶ-  
ଶୁଣ-ପିତ୍ରା

ত্রুত হৃত কুপ নু বেদ স বন এ পত দ স পত কে শ শুন ষ মন ষ কন ষ দন  
চুগ স ন ভি দ সু পত শ অ শু য ন কু কে ন ষ কুন ন ন

দ ন ষ ব ন দ কু প শু দ সু কে ন দ সু ম এ র দ ব ব ন দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন

দ ব শ ন ভি দ সু ন গ ন গ ন গ ন গ ন গ ন  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন দ দ দ  
ব শ ক ন ব শ ক ন  
ব শ ক ন ব শ ক ন

୰ୟାକ୍ଷେତ୍ରକଣ୍ଠିକନ୍ତୁ ପରିଷଦ୍ୱାରା ପରିଚ୍ଯନ୍ତା ପାଇଲା ।

ଦ୍ୟାମାନୀ ତିର୍ଯ୍ୟକୀୟାମାନୀ ପରମାନ୍ତରୀୟାମାନୀ

## ରାଜକୀୟ

- ହେତୁକର୍ମନାମିକାର୍ଯ୍ୟରେ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ  
କର୍ମଶାଖାରେ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ  
ରାଜକୀୟରେ ..... ସମ୍ମାନିତ କର୍ମଶାଖାରେ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ (1)  
ରାଜକୀୟରେ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ  
ଶ୍ରୀ ରାଜମନ୍ତ୍ରୀ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ..... (1)  
ଶ୍ରୀ ରାଜମନ୍ତ୍ରୀ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ  
ରାଜମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ..... (21)  
ରାଜମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ  
ରାଜମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ..... (29)  
ରାଜମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ..... (42)  
ରାଜମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ..... (71)  
ରାଜମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ .....  
ରାଜମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ..... (80)  
ରାଜମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ..... (97)  
ରାଜମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ..... (104)  
ରାଜମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ..... (150)  
ରାଜମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ..... (165)  
ରାଜମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପରିଚାରିତ ଅଧିକାରୀଙ୍କ .....